

Dr. Kumari Priyanka

History department

HD jain college, ara

Notes for ug sem. 1

प्राचीन भारतीय इतिहास के जानने के स्रोतों का वर्णन करें।

प्राचीन भारत के इतिहास को जानने के लिए हमारे पास अनेक प्रकार के स्रोत उपलब्ध हैं। इन स्रोतों को मुख्यतः दो भागों में बाँटा जाता है—

1. पुरातात्विक (Archaeological) स्रोत
2. साहित्यिक (Literary) स्रोत

1. पुरातात्विक स्रोत (Archaeological Sources)

पुरातात्विक स्रोत हमें भौतिक प्रमाणों के रूप में इतिहास की साक्ष्य प्रदान करते हैं। इसमें निम्न प्रकार के स्रोत आते हैं—

(क) अवशेष और स्मारक (Monuments and Remains)

मंदिर, स्तूप, विहार, किला, महल आदि से प्राचीन सभ्यताओं की कला, स्थापत्य और धर्म का ज्ञान होता है।

उदाहरण:

- सांची का स्तूप (मध्य प्रदेश) - बौद्ध धर्म का साक्ष्य
- अजंता-एलोरा की गुफाएँ - चित्रकला व मूर्तिकला की उत्कृष्टता

(ख) शिलालेख (Inscriptions)

पत्थर, ताम्रपत्र या दीवारों पर खुदे हुए लेख प्राचीन शासकों, घटनाओं और प्रशासनिक व्यवस्था का प्रमाण देते हैं।

उदाहरण:

- अशोक के शिलालेख - मौर्य कालीन धर्म और शासन की जानकारी
- प्रयाग प्रशस्ति (हरिषेण रचित) - सम्राट समुद्रगुप्त के अभियानों का विवरण

(ग) मुद्राएँ (Coins)

मुद्राओं से आर्थिक स्थिति, व्यापार, धार्मिक प्रतीक, राजवंश और शासकों के नामों की जानकारी मिलती है।

उदाहरण:

- कुषाण, सातवाहन और गुप्तकालीन सिक्के

(घ) अवशेष सामग्री (Artifacts)

मिट्टी के बर्तन, औज़ार, मूर्तियाँ, और अन्य सामग्री से सभ्यता की तकनीकी और सांस्कृतिक स्थिति का ज्ञान मिलता है।

उदाहरण:

- सिंधु घाटी सभ्यता की मोहरें, खिलौने और बर्तन

2. साहित्यिक स्रोत (Literary Sources)

साहित्यिक ग्रंथ हमें धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन की झलक देते हैं। इन्हें दो भागों में बाँटा जा सकता है—

(क) स्वदेशी साहित्य (Indigenous Literature)

यह भारतीय भाषाओं में रचित ग्रंथ हैं।

मुख्य उदाहरण:

- **वैदिक साहित्य:** ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद - आर्यों के जीवन व धर्म का चित्रण
- **महाकाव्य:** रामायण, महाभारत - धर्म, नीति और समाज का दर्शन
- **बौद्ध व जैन ग्रंथ:** त्रिपिटक, आगम - धार्मिक व सामाजिक विचार
- **पुराण:** इतिहास, भूगोल, वंशावली की जानकारी
- **संस्कृत नाटक व काव्य:** कालिदास का *अभिज्ञानशाकुंतलम्*, बाणभट्ट का *हर्षचरितम्*

(ख) विदेशी साहित्य (Foreign Accounts)

विदेशी यात्रियों ने भारत के समाज, अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था का वर्णन किया।

उदाहरण:

- **मेगास्थनीज** – "इंडिका" में मौर्यकालीन भारत का विवरण
- **फाह्यान और ह्वेनसांग** - गुप्त और हर्षकालीन भारत का चित्रण

- **अलबरूनी** – "तहकीक-ए-हिंद" में मध्यकालीन भारत का वर्णन

निष्कर्ष

प्राचीन भारतीय इतिहास के अध्ययन में पुरातात्विक और साहित्यिक दोनों प्रकार के स्रोत एक-दूसरे के पूरक हैं। जहाँ पुरातात्विक स्रोत भौतिक साक्ष्य प्रदान करते हैं, वहीं साहित्यिक स्रोत उस काल की मानसिक, धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का परिचय देते हैं। इन दोनों के संयुक्त अध्ययन से भारत के प्राचीन इतिहास की सम्पूर्ण और सजीव तस्वीर उभरती है।